Jaipur Theatre Festival
4th Oct - 11th Oct, 2015

jairangam 4th Edition
"जयपुर रंग महोत्सव"

पंजीकरण फॉर्म

राष्ट्रीय संगोष्ठी

नाटक :– सामाजिक और व्यवसायिक सरोकार

अक्टूबर 9 -10, 2015

नाम .....
पद .....
सम्बद्धता .....
पता .....
.....
ई–मेल .....
शैक्षणिक योग्यता .....
क्या आप अपना शोधपत्र पढ़ेंगे? .....
यदि हाँ तो शीर्षक बताएँ .....

पंजीकरण फीस विवरण: ड्राफ्ट / ऑनलाईन
संस्था..... दिनांक.....

छात्रों और शोधार्थियों के लिए शोध निदेशक/विभाग/संस्थान द्वारा जारी पहचान पत्र अनिवार्य है।

मैं शपथ लेता हूं, मेरा प्रस्तुत शोधपत्र अपठित/अप्रकाशित/अप्रस्थापित है और न ही यह किसी संगोष्ठी/प्रतियोगिता/समारोह में पढ़ा गया है।

दिनांक ..... हस्ताक्षर .....

शोध सारांश प्रेषण की अंतिम तिथि 20 सितंबर, 2015

Jaipur Theatre Festival
4th Oct - 11th Oct, 2015

jairangam 4th Edition
"जयपुर रंग महोत्सव"

Supported By:-
Department of Art & Culture, Govt. of Rajasthan

राष्ट्रीय संगोष्ठी

अक्टूबर 9 -10, 2015

नाटक

सामाजिक और व्यवसायिक सरोकार

THEATRE

SOCIAL & COMMERCIAL ASPECTS

A festival by
3M dot Bands
THEATRE FAMILY

आयोजक संस्था

3 M Dot Bands Family, ; राजस्थान की सबसे बड़ी रंग संस्था है। गत् 3 वर्षो से "जयरंगम" जयपुर में हो रहा है जिसने जयपुर के इतिहास व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। संस्था गत 14 वर्षो से कार्यरत है और कई सफल रंग उत्सव व नाटकों का मंचन जयपुर व अन्य शहरों में करवा चुकी है।

इस समारोह में 4 से 11 अक्टूबर 2015 तक लगातार ऐसे नाटकों का प्रर्दशन होगा जो ना केवल राजस्थान या भारत मे अपितु पूरे विश्व मे विख्यात है।

जयरंगम 2015 में 1500 से अधिक कलाकार हिस्सा लेगें, समारोह के अंतर्गत् जवाहर कला केन्द्र एवं बिड़ला सभागार मे 33 नाटकों का मंचन किया जाऐगा।

अवधारणा

नाटक को लोकतंत्र में महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है । एक लोकतांत्रिक समाज में नाटक की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है । नाटक हमारे समाज को इतने गहरे तक प्रभावित करता है कि इसका प्रभाव समाज के विचार, कला , साहित्य , राजनीति व अन्य पक्षों पर अपरिहार्य रूप से पड़ता है । भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में नाटकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है । हर दौर में नाटक को एक मिशन माना और मंचित किया जाता रहा है ।

मौजूदा दौर में जब नाटक पर बाजारवादी और साम्राज्यवादी ताकतें हावी हो रही हैं ऐसे में नाट्य विधा को समय और परिस्थिति के मद्देनजर खारिज किए जाने की कई साजिशें भी सक्रिय हैं । जबकि वास्तविकता यह है कि नाट्य विधा आज भी दर्शकों के दिल – दिमाग को प्रभावित करने में सर्वाधिक सक्षम है । इसी परिप्रेक्ष्य में आज नाटक की वृहत्तर भूमिका पर संवाद और विवेचना की आवश्यकता ज़रूरी लगती है ।

इस संगोष्ठी में समाज में नाटक की भूमिका और बाज़ार के दबाव व इससे संबंधित संपूर्ण परिदृश्य पर विचार किया जाएगा । साथ ही एक महत्वपूर्ण संदर्भ में जयपुर की नाटक मंचन प्रक्रिया और उसके समाज सरोकार पर भी विशेष सत्र केंद्रित रहेगा ।

विचार बिंदु

नाटक के व्यवसायिक पक्ष
COMMERCIAL ASPECTS OF THEATRE

नाटक के सामाजिक सरोकार
SOCIAL ASPECTS OF THEATRE

नाटक मंचन हेतु नवीन वैज्ञानिक प्रविधियाँ
NEW SCIENTIFIC TECHNIQUES IN THEATRE

नाटक और जनमानस
THEATRE & PUBLIC PSYCHE

नाटक और साहित्य
THEATRE & LITERATURE

नाटक मीडिया और जनआंदोलन
THEATRE, MEDIA & PUBLIC MOVEMENTS

नाटकों में वैश्वीकरण में मुद्दे
ISSUES IN THEATRE GLOBALIZATION

नाटक और महिला मुद्दों का मंचन
WOMEN ISSUES IN THEATRE

नाटक का बदलता परिदृश्य
CHANGING SCENARIO OF THEATRE

– विशेष सत्र –

जयपुर थियेटर परंपरा और नाटक मंचन के विविध आयाम

यह संगोष्ठी अंतर्विषयक होने के कारण सहसंबंधित विषयों पर शोध पत्र भी आमंत्रित हैं।

संगोष्ठी निदेशक
डॉ. सुधीर सोनी

संगोष्ठी सचिव
डॉ. अनीता नायर

संगोष्ठी आयोजक
डॉ. हेमा भसीन
(संयोजक जयरंगम)

''सबद''
संगोष्ठी प्रवर्तन

''जयरंगम''
संगोष्ठी आयोजक

पंजीकरण शुल्क (विद्यार्थी) : 1000 /–

पंजीकरण शुल्क (शिक्षक) : 1200 /–

तत्काल पंजीकरण शुल्क : 1500 /–

Name:- 3M Dot Bands Theatre Family
A/C No:- 031010100142410
Bank:- AXIS Bank Ltd.
IFSC:- UTIB0000031
Branch:- Tilak Nagar, Jaipur

–: संपर्क :–

डॉ. सुधीर सोनी – 09414716676
डॉ. अनीता नायर – 09950431950
डॉ. हेमा भसीन – 09461275553